भारत सरकार
खान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. †1728
दिनांक 10.12.2025 को उत्तर देने के लिए

तांबा अयस्क का घरेलू उत्पादन

†1728. श्री एंटो एन्टोनीः

क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पाँच वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान देश में तांबा अयस्क का कुल कितना घरेलू उत्पादन हुआ है;
(ख) क्या 2018-19 से प्रमुख खननकर्ता राज्यों में तांबा अयस्क के उत्पादन में कोई गिरावट आई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इससे कौन-कौन राज्य सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं;
(ग) उक्त अवधि के दौरान तांबा अयस्क के घरेलू उत्पादन में गिरावट के प्रमुख कारण क्या हैं;
(घ) सरकार द्वारा तांबे के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और तांबे के आयात पर देश की निर्भरता को कम करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और
(ङ) देश में तांबा अयस्क निष्कर्षण और प्रसंस्करण की दक्षता में सुधार के लिए अपनाई गई या समुन्नत की गई तकनीकी प्रविधियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कोयला और खान मंत्री
(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) पिछले 5 वर्षों के दौरान, देश में तांबा अयस्क का कुल घरेलू उत्पादनः

वर्ष	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
अयस्क उत्पादन (मिलियन टन)	3.27	3.57	3.35	3.78	3.47

(ख) और (ग) वर्ष 2018-19 की तुलना में, निम्नलिखित कारणों से तांबा अयस्क उत्पादन में कमी आई है:

- वर्ष 2019-20 और 2020-21 के दौरान कोविड-19 महामारी के कारण अयस्क उत्पादन गंभीर रूप से प्रभावित हुआ।
- झारखंड में सुरदा, राखा और केंदाडीह खानों को फिर से खोलने के लिए वैधानिक मंजूरी प्राप्त करने में विलंब हुआ।
- मध्य प्रदेश में मलांजखंड खान वर्ष 2022-23 के दौरान ओपन कास्ट से भूमिगत खानों में रूपांतरित हो रही थी।
- मई, 2024 में विंडर में बड़ी खराबी के कारण राजस्थान में कोलिहान खान में अयस्क उत्पादन बंद हो गया। अप्रैल, 2025 में उत्पादन फिर से शुरू हो गया है।

(घ) और (ङ) तांबे के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और तांबा अयस्क निष्कर्षण एवं प्रसंस्करण में सुधार के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

- हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की विभिन्न विस्तार परियोजनाएं चल रही हैं, जिनका उद्देश्य तांबा अयस्क उत्पादन क्षमता को 4.4 मिलियन टन से बढ़ाकर 12.2 मिलियन टन प्रति वर्ष करना है।

- तांबे सहित महत्वपूर्ण और गहराई में स्थित खनिजों के लिए टोही एवं पूर्वेक्षण प्रचालन की अनुमति देने के लिए गवेषण अनुज्ञप्ति (ईएल) व्यवस्था की शुरूआत।

- राष्ट्रीय खनिज खोज और विकास न्यास से वित्त पोषण के साथ अधिसूचित निजी गवेषण एजेंसियों द्वारा गवेषण को बढ़ावा देना।

- तांबे के 7 ब्लॉकों की नीलामी– 4 महाराष्ट्र में, 2 राजस्थान में और 1 मध्य प्रदेश में।

- तांबा अयस्क की सुरक्षा और उत्पादन बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक 'पेस्ट फिल' प्रौद्योगिकी को अपनाना।

*****